हिम्मत वाली माँ की हिम्मत वाली बेटी

“प्रेषिका : रणजीता कौर मेरे पड़ोस में एक आंटी रहती थीं, जिनका नाम जानकी था. उनकी उमर 27-28 साल और फिगर 36-28-36 था. उनको देखकर हमेशा मेरा लंड खड़ा हो जाता था और उनकी चूत में जाने के लिए फड़कने लगता था. एक दिन उनकी 6 साल की लड़की पार्क में खेलते खेलते गिर गयी. […]
”
…

Story By: guruji (guruji)
Posted: Thursday, November 18th, 2004
Categories: पड़ोसी
Online version: हिम्मत वाली माँ की हिम्मत वाली बेटी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हिम्मत वाली माँ की हिम्मत वाली बेटी

प्रेषिका : रणजीता कौर

मेरे पड़ोस में एक आंटी रहती थीं, जिनका नाम जानकी था. उनकी उमर 27-28 साल और फिगर 36-28-36 था. उनको देखकर हमेशा मेरा लंड खड़ा हो जाता था और उनकी चूत में जाने के लिए फड़कने लगता था.

एक दिन उनकी 6 साल की लड़की पार्क में खेलते खेलते गिर गयी. मैंने उसे उठाया और उनके घर ले गया. वो बहुत रो रही थी. आंटी ने उसे चुप कराया, दवा लगाई और थपकी देकर सुला दिया.

मैं चुप चाप खड़ा आंटी के मम्मे और गदराई गांड देख रहा था.

लड़की के सोते ही आंटी मेरी तरफ़ मुखातिब होकर बोली ”तुम इसे नहीं लाते तो बेचारी वहीँ रोती रहती।’

मैंने कहा,’आंटी, क्यूँ नहीं लाता ?’

आंटी मुस्कुराई और बोली- बैठो, तुम्हे चाय पिलाती हूँ।’

पता नहीं मेरे अन्दर कहाँ से इतनी हिम्मत आ गई कि मैं बोला ‘पिलाना है तो दूध पिलाओ।’

आंटी तुरत समझ गई और थोड़ा गुस्सा दिखाते हुए बोलीं ‘शर्म नहीं आती ऐसे कहने में।’

मैं बोला ‘आंटी शर्म करूँगा तो आप दूध कैसे पिलाओगे।’

इतना कहकर मैंने आंटी के मम्मों पर हाथ रखा और सहलाने लगा. आंटी भी शायद मुझसे चुदवाने को तैयार थीं इसीलिए कुछ नहीं बोलीं मैंने उनका गाउन उतारा और फ़िर ब्रा और पैंटी भी उतार दी. आंटी को पूरा नंगा करके मैंने अपने कपड़े उतारे और बिना देर किए अपना लंड आंटी कि चूत में डाल दिया और उनके मम्मे चूसने लगा. थोडी देर में आंटी नीचे से अपनी गांड उठा उठा कर मेरा साथ देने लगीं.

इसके बाद 12 साल तक मैं आंटी को चोदता रहा. इस बीच उनकी लड़की 18 साल की हो गयी.

एक दिन मैं आंटी को चोद रहा था कि वो आ गयी.
आंटी को लगा कि ये अंकल को बता देगी.
आंटी ने उसको अपने पास बुलाया, उसकी स्कर्ट को पकड़ कर ऊपर उठाया और उसकी पैंटी उतार दी और बोली 'इसकी चूत पर अपना लंड रगडो इसको भी मजा दो'. मेरी तो लाटरी लग गयी, मैंने उसकी चूत पर अपना लंड रगड़ना शुरू किया तो वो मस्त होने लगी. आंटी पेशाब करने बाथरूम गयी तो मैंने अपना लंड लड़की की चूत में डाल दिया. लड़की चिल्लाने लगी तो मैंने उसके मुंह पर हाथ रख दिया, लड़की चुप हो गयी और और थोडी देर में मजा लेने लगी.

आंटी बाथरूम से आयीं और लड़की को चुदवाते देखकर बोलीं 'पहले ही दिन पूरा ले लिया !ये है मेरी बेटी की हिम्मत !हिम्मतवाली माँ की हिम्मतवाली बेटी'.

Other stories you may be interested in

ऑफिस की दोस्त की कुंवारी चूत का पहला भोग

दोस्तो, मैं जो कहानी आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह आपको जरूर पसंद आएगी. यह कहानी मेरी अपनी कहानी है. कहानी को शुरू करने से पहले मैं आपको अपने बारे में कुछ बताना चाहूंगा. मेरा नाम आदित्य है […]

Full Story >>>

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-1

आगरा से ट्रांसफर होकर जब मैं कानपुर आया तो मैंने कानपुर में जो मकान किराये पर लिया. मेरे मकान के ठीक सामने गुप्ताइन का घर था. गुप्ताइन लगभग 45 साल की थी लेकिन अच्छी मेन्टेनेंस और सजी संवरी रहने के […]

Full Story >>>

खूबसूरत भाभी की कुंवारी चूत मैंने चोद दी

मेरा नाम प्रिंस है और मैं मुंबई में रहता हूँ. मैं 20 साल का हूँ और मैं आप सभी को आज अपने पहले सेक्स अनुभव के बारे में बताना चाहता हूँ। कहानी शुरू करने से पहले मैं आप सभी को […]

Full Story >>>

मामी की खूबसूरत कुंवारी भतीजी का बुरभेदन

सभी दोस्तों को मेरा नमस्कार, मेरा नाम गुरविंदर सिंह है. मैं पंजाब के लुधियाना ज़िले में एक गांव में रहता हूँ. मेरी उम्र 27 साल है. मेरी बॉडी ठीक ठाक ही है. यह मेरी सच्ची कहानी है, जो कुछ दिन […]

Full Story >>>

मेरी कमसिन जवानी के धमाके-3

मेरी जवानी की कहानी में अब तक आपने पढ़ा कि मुझ पर अंकल से चुदने का भूत सवार हो गया था. उन्होंने मुझे शुक्रवार को चोदने का कार्यक्रम बना लिया था. अब आगे : मैंने मेरे घर का दरवाजा खोला, बाहर […]

Full Story >>>